Lect. 20
Microeconomics

Date :- 22.04.20

B.A. (Hons)

घटती हुई सीमान्त प्रतिस्थापन दर का नियम
(Law of Diminishing Marginal Rate of Substitution)

Dr. Dineshwar Paswan
Assistent professor
Deptt. of Economics
M L S College. Sarisab-pahi, (Madhubani)
Mob. - 9973599631

अर्थ एवं परिचय :- प्रो० लर्नर ने अपनी पुस्तक 'Economics of Control' में उपर्युक्त नियम का प्रतिपादन किया है। इस नियम के अनुसार किसी व्यक्ति के पास एक वस्तु की जितनी मात्रा बढ़ती जाती है, वह दूसरी वस्तु का उस वस्तु के लिए प्रतिस्थापन घटती दर पर प्राप्त करता जायेगा।

चूँकि प्रतिस्थापन दर के संदर्भ में पूर्व में ही परिभाषित करते हुए व्याख्या कर चुका हूँ। अब पुनः निम्नलिखित रूप में सारणी द्वारा स्पष्टीकरण :—

सारणी 3 - ह्रास मान सीमान्त प्रतिस्थापन दर (Diminishing Marginal Rate of Substitution)

संयोग	सेब (X) की मात्रा		संतरा (Y) की मात्रा	प्रतिस्थापन दर	सीमांत प्रतिस्थापन दर (MRSxy)
A	1	+	20	—	—
B	2	+	14	1X = 6Y	6 : 1
C	3	+	10	1X = 4Y	4 : 1
D	4	+	08	1X = 2Y	2 : 1
E	5	+	07	1X = 1Y	1 : 1

P.T.O

Scanned with CamScanner

सारणी:-03 से ज्ञात होता है कि उपभोक्ता दूसरे सेब के लिए 6 संतरे, तीसरे सेब के 4 संतरे, चौथे सेब के लिए 2 संतरे तथा पाँचवें सेब के लिए 1 संतरा प्रतिस्थापित करेगा अर्थात् उपभोक्ता जैसे-जैसे सेबों की अधिक संख्या लेता है, संतरों की सेबों के लिए सीमांत प्रतिस्थापन दर कम होती जायेगी।

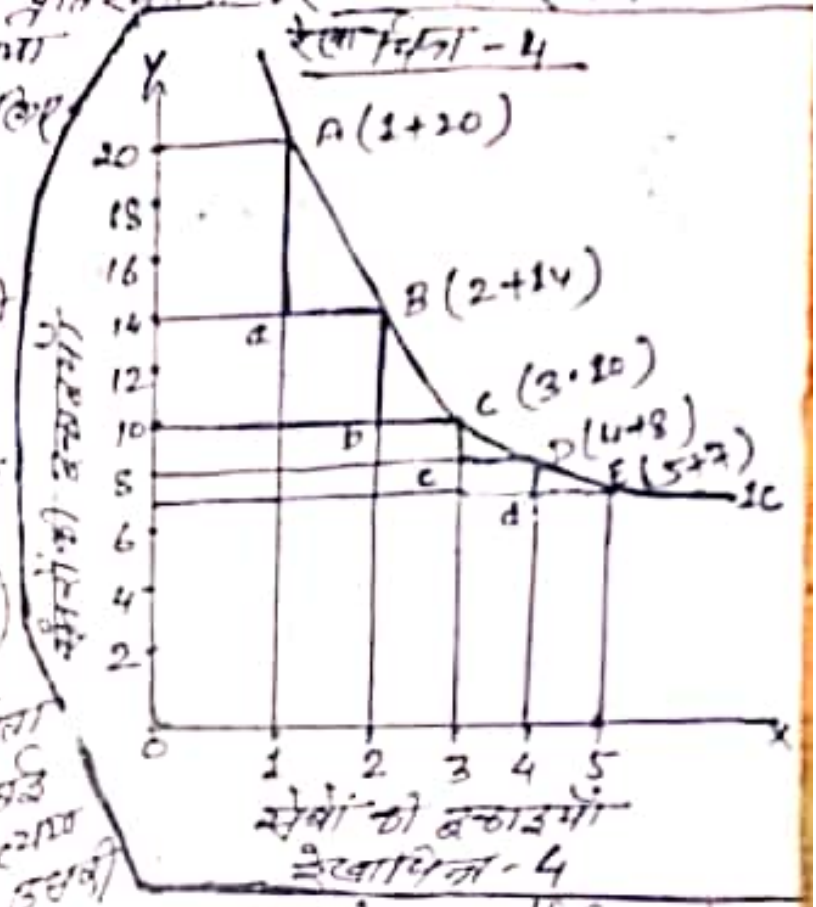

चित्र-4 से ज्ञात होता है कि जब उपभोक्ता A से B बिन्दु की ओर जाता है तो वह सेब की एक अतिरिक्त इकाई के लिए 6 संतरों का त्याग करता है। इस परिस्थिति में उपभोक्ता की सेब के लिए प्रतिस्थापन दर (MRS_{xy}) 6:1 होगी। इसी प्रकार जब वह B से C बिन्दु की ओर जाता है तो सेब की एक अतिरिक्त इकाई के बदले में 4 संतरों का त्याग करने को तैयार है अर्थात् उसकी प्रतिस्थापन दर 4:1 है। इस उदाहरण से स्पष्ट है कि उपभोक्ता जैसे-जैसे सेबों के उपभोग को बढ़ाता जाता है तो उसको प्रत्येक अतिरिक्त इकाई के लिए वह क्रमशः कम संतरों का त्याग करता है अर्थात् प्रतिस्थापन दर 6:1 से 4:1, और 4:1 से 2:1 तथा अंत में 1:1 हो जाती है। (चित्र में Aa > Bb > Cc > Dd)। इसे घटती सीमान्त प्रतिस्थापन दर कहते हैं। इससे संबंधित नियम को घटती सीमान्त प्रतिस्थापन दर का नियम कहा जाता है।

ह्रासमान सीमांत प्रतिस्थापन की दर के नियम के अपवाद (Exceptions to the law of diminishing rate of interest)

→ ① पूर्ण प्रतिस्थापन वस्तुऐं :- यदि दो वस्तुऐं एक-दूसरे की पूर्ण प्रतिस्थापन हैं तो इस स्थिति में सीमांत प्रतिस्थापन दर घटने की अपेक्षा स्थिर रहती है।

② पूर्ण-पूरक वस्तुऐं :- इस प्रकार की वस्तुओं के लिए प्रतिस्थापन की सीमांत दर घटने की अपेक्षा शून्य के रूप में स्थित रहती है। इस प्रकार की वस्तुओं के रूप में तटस्थता वक्र समकोणीय होते हैं।

Scanned with CamScanner